



Nirmal



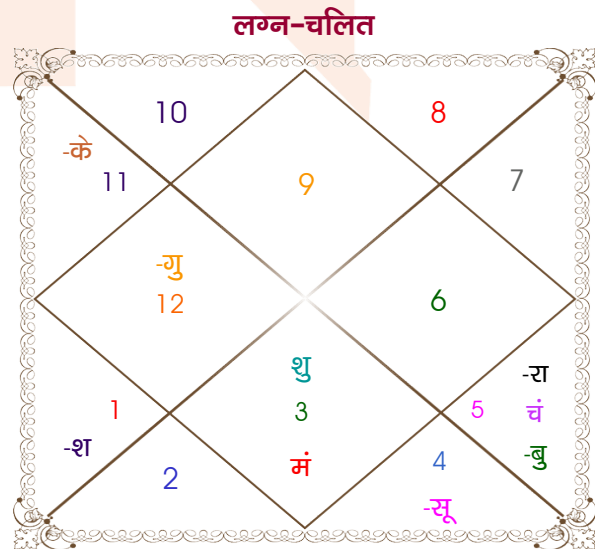
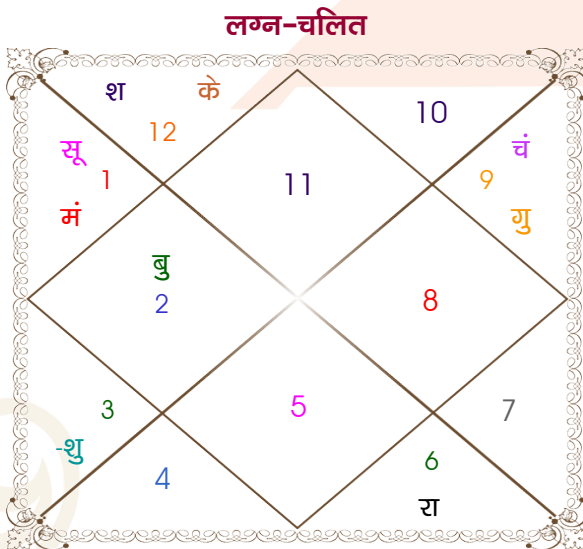
Vanshika khanna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119185003

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 7-08/05/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 27/07/1998
 मंगल-बुधवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 02:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 18:07:00 घंटे
 घटी 51:27:49 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 31:24:26 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Hardwar : _____ स्थान _____ : Saharanpur
 29:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:58:00 उत्तर
 78:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:33:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:29:52 : _____ सूर्योदय _____ : 05:35:37
 18:59:07 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:16:31
 23:48:25 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:07

विंशोत्तरी शुक्र 6वर्ष 6मा 0दि मंगल		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 5वर्ष 11मा 10दि राहु
07/11/2018		11:43:06	कुंभ	लग्न	धनु	22:48:15	07/07/2021
07/11/2025		23:44:21	मेष	सूर्य	कर्क	10:27:09	07/07/2039
मंगल	05/04/2019	22:19:56	धनु	चंद्र	सिंह	26:47:18	राहु
राहु	23/04/2020	10:00:56	मेष	मंगल	मिथु	20:18:52	गुरु
गुरु	30/03/2021	04:12:29	वृष	व बुध	सिंह	03:54:06	शनि
शनि	09/05/2022	23:49:56	धनु	व गुरु	मीन	04:04:40	बुध
बुध	06/05/2023	01:44:32	मिथु	शुक्र	मिथु	15:40:55	केतु
केतु	02/10/2023	09:36:10	मीन	शनि	मेष	09:28:19	शुक्र
शुक्र	01/12/2024	22:58:06	कन्या	व राहु	सिंह	07:47:24	सूर्य
सूर्य	08/04/2025	22:58:06	मीन	व केतु	कुंभ	07:47:24	चन्द्र
चन्द्र	07/11/2025	10:46:36	मक	व हर्ष	मक	17:12:03	मंगल
		03:55:37	मक	व नेप	मक	06:50:14	
		08:20:03	वृश्चि	व प्लूटो	वृश्चि	11:33:58	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Nirmal का वर्ग मूषक है तथा Vanshika khanna का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nirmal और Vanshika khanna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Nirmal मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Vanshika khanna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nirmal की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nirmal तथा Vanshika khanna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।